Yashwantrao Chavan Warana Mahavidyalaya, Warananagar
Department of Hindi

Course Outcomes (CO), Program outcomes (PO), and Program Specific Outcomes (PSO):

A) U.G. Course/Programme:-

Title of course	Course Outcomes (Statements)
B. A. part I- **हिंदी ह्यविषेश ऐच्छिक).** (CBSC)	**Knowledge Domain- हिंदी ह्यविषेश ऐच्छिकह्.** **१. सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं ह्यकविता कहानी यात्रावृत्त रिपोर्ताज साक्षात्कार दृष्यसाहित्य पत्रकारिता से परिचित कराना ।** **२. सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।** **३.सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।** 4.छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाना। 5.छात्रों को साहित्य के विविध विधाओं से परिचित कराना। 6.छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। 7.छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण,पठन, एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित करना। 8.निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज,व्यंग्य, संस्मरण आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना। 9.छात्रों में राष्ट्रीय मूल्य एवं नैतिक मूल्य, उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। 10.छात्रों में सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचारकराना प्रसार-।
B. A. part II- **हिंदी ह्यविषेश ऐच्छिक).** (CBSC)	1.छात्र छात्राओं- के मन में गद्य-पद्य विधाओं के द्वारा समाज, साहित्य, शिक्षण, धर्म, अर्थ और राजनीति के विविध पहलुओं का परिचय कराना तथा इन सब के प्रति आस्था, रुचि उत्पन्न कराना। 2.हिंदी के विविध साहित्यकारों का तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय करा देना। 3.संस्कार मूल्यों को विकसित करा देना।

B. A. part III- **हिंदी (विषेश ऐच्छिक).** (CBSC)	**१.उपन्यास और आत्मकथा के तात्विक स्वरूप का परिचय देना ।** **२.उपन्यासकार एवं आत्मकथाकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।** **३.पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास एवं आत्मकथन की प्रासंगिकता से अवगत कराना** **४. साहित्य की मर्म ग्राहिणी क्षमता का विकास कराना ।** **५. काव्य विभिन्न अंगो का सामान्य परिचय कराना ।** **६. साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित कराना ।** **७. भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिध्दातों तथा हिंदी** **८.आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त करना ।** 9.हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करना । 10.हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना । 11.प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय कराना । 12.पत्राचार के स्वरूप का परिचय कराना । ---------- **Skill Domain-** **१सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।** **२ रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना ।** **३ रचना के आस्वादन एवं समीक्षन की क्षमता विकसित कराना ।** 4.रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल प्रदान करना । 5.कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान विकसित करना। 6.अनुवाद और व्यवहारिक लेखन का महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना । 7.हिंदी व्याकरण का परिचय कराना । 8.रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट करना । 9.छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना । 10छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन कौशल को विकसित करना।

Head
Department of Hindi